भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3348
दिनांक 08.08.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

भागलपुर, बिहार में केंद्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान केंद्र

3348. श्री अजय कुमार मंडल:

क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार बिहार के भागलपुर में केंद्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट) और परंपरा एवं प्रणाली अध्ययन केंद्र (सीएसटीएस) केंद्र स्थापित कर रही है;

(ख) यदि हाँ, तो उक्त केंद्र की कुल परियोजना लागत, क्षेत्रफल और वर्तमान स्थिति क्या है;

(ग) क्या सरकार उक्त केंद्र में प्रशासनिक भवन, शैक्षणिक भवन, कार्यशाला, टूल रूम, प्लास्टिक प्रसंस्करण कार्यशाला, परीक्षण प्रयोगशालाएँ, पुस्तकालय और छात्रावास जैसी सुविधाएँ बनाने की योजना बना रही है; और

(घ) क्या उक्त परिसर को अगस्त, 2023 तक पूरी तरह से चालू करने का प्रस्ताव था और यदि हाँ, तो इसका ब्यौरा क्या है और इसमें देरी के कारण क्या हैं तथा इसके कब तक चालू होने की संभावना है?

उत्तर

रसायन और उर्वरक राज्य मंत्री

(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) और (ख): विभाग ने बिहार के भागलपुर में सिपेट: कौशल विकास एवं तकनीकी सहायता केंद्र (सीएसटीएस) की स्थापना को मंजूरी प्रदान की है। इसकी कुल परियोजना लागत 40.10 करोड़ रुपये है, जिसे केंद्र और राज्य सरकार 50:50 अनुपात में वहन करेंगी। इस केंद्र का कुल क्षेत्रफल लगभग 8

एकड़ है और कार्यशील है।

(ग): सिपेट केंद्र में प्रशासनिक भवन, शैक्षणिक भवन, कार्यशाला, टूल रूम, प्लास्टिक प्रसंस्करण कार्यशालाएं, परीक्षण प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय और छात्रावास सहित व्यापक अवसंरचनात्मक सुविधाएं हैं।

(घ): केंद्र ने वर्ष 2022-2023 के शैक्षणिक सत्र के दौरान, बिहार सरकार के श्रम संसाधन विभाग द्वारा भागलपुर स्थित महिला आईटीआई परिसर में आवंटित अपने अस्थायी परिसर से कार्य संचालन शुरू कर दिया है। सिपेट: सीएसटीएस, भागलपुर के स्थायी परिसर का उद्घाटन दिनांक 19.01.2025 को किया गया था। वर्तमान में, यह केंद्र पूरी तरह से कार्यशील है तथा प्लास्टिक प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा (3 वर्षीय) और प्लास्टिक मोल्ड प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा (3 वर्षीय) के दीर्घकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित कर रहा है।

*****